OFFICE OF THE PRINCIPAL: SLKS GCW SALAHERI NUH

(Report of Tree Plantation Drive – एक पेड़ मां के नाम)

शहीद लेफ्टिनेंट किरन शेखावत राजकीय महिला महाविद्यालय, सलाहेरी, नूंह में दिनांक 10 जुलाई, 2026 को "एक पेड़ माँ के नाम" थीम के अंतर्गत एक भव्य एवं प्रेरणादायक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पौधारोपण करना नहीं था, बल्कि छात्राओं में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करना, प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व की भावना उत्पन्न करना तथा मातृत्व के सम्मान को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए समाज में सकारात्मक संदेश देना था। वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, वनों की अंधाधुंध कटाई तथा प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के कारण पर्यावरणीय असंतुलन निरंतर बढ़ रहा है। ऐसी परिस्थितियों में वृक्षारोपण केवल एक सामाजिक गतिविधि न होकर आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए एक आवश्यक कदम बन गया है। इसी विचार को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय परिवार ने इस अभियान का आयोजन अत्यंत उत्साह एवं प्रतिबद्धता के साथ किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीतिका, प्राध्यापकगण, गैर-शिक्षण कर्मचारी तथा छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम की शुरुआत में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भारत के निर्माण के उद्देश्य से सभी उपस्थित सदस्यों को वृक्षों के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। छात्राओं को बताया गया कि वृक्ष केवल हमें ऑक्सीजन ही नहीं प्रदान करते, बल्कि वायु प्रदूषण को कम करने, वर्षा चक्र को संतुलित रखने, भू-क्षरण को रोकने, जैव विविधता के संरक्षण, जल संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में भी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वक्ताओं ने यह भी बताया कि यदि प्रत्येक नागरिक अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करे, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा परिवर्तन संभव है।

इस अभियान की विशेषता यह रही कि प्रत्येक छात्रा ने अपनी माता के सम्मान और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए "एक पेड़ माँ के नाम" के संकल्प के साथ एक पौधा लगाया। यह गतिविधि केवल पर्यावरण संरक्षण तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें भावनात्मक एवं सांस्कृतिक मूल्यों का भी समावेश था। छात्राओं ने अपने जीवन में माँ के योगदान को स्मरण करते हुए यह संकल्प लिया कि जिस

प्रकार माँ अपने बच्चों का पालन-पोषण करती है, उसी प्रकार वे भी अपने लगाए गए पौधे की नियमित देखभाल करेंगी और उसे एक वृक्ष बनने तक संरक्षित रखेंगी। इस पहल ने छात्राओं में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता के साथ-साथ मातृत्व के सम्मान की भावना को भी और अधिक सुदृढ़ किया।

महाविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थानों पर छायादार, फलदार एवं पर्यावरण के लिए उपयोगी पौधों का रोपण किया गया। पौधे लगाने के पश्चात सभी प्रतिभागियों ने उन्हें पानी दिया तथा उनकी सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ भी कीं। छात्राओं को पौधों की नियमित सिंचाई, उचित देखभाल तथा संरक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि वृक्षारोपण तभी सफल माना जाता है जब लगाए गए पौधों का संरक्षण किया जाए और उन्हें विकसित होने तक निरंतर देखभाल प्रदान की जाए। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा भी लगाए गए पौधों की नियमित निगरानी एवं संरक्षण सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया ताकि अभियान का उद्देश्य दीर्घकालिक रूप से सफल हो सके।

इस अभियान में भाग लेने वाली छात्राओं ने अत्यंत उत्साह, अनुशासन एवं समर्पण का परिचय दिया। उन्होंने न केवल पौधे लगाए, बल्कि यह भी संकल्प लिया कि वे अपने घर, गाँव तथा आसपास के क्षेत्रों में भी अधिक से अधिक पौधे लगाएंगी और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज के अन्य लोगों को भी वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करेंगी। छात्राओं ने यह भी अनुभव साझा किया कि अपनी माँ के नाम एक पौधा लगाना उनके लिए अत्यंत भावनात्मक एवं गर्व का विषय है। इस गतिविधि ने उनमें प्रकृति के प्रति प्रेम, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक सोच को और अधिक मजबूत किया।

पेड़ पौधे रोपण के उपरांत सभी छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। सभी ने यह संकल्प व्यक्त किया कि वे लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करेंगे, जल एवं ऊर्जा का संरक्षण करेंगे, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का प्रयास करेंगे तथा अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण-अनुकूल आदतों को अपनाएंगे। साथ ही उन्होंने यह भी संकल्प लिया कि वे अपने आसपास के लोगों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करेंगे और भविष्य में आयोजित होने वाले ऐसे अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

महाविद्यालय की प्राचार्य ने सभी छात्राओं एवं शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार या किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि "एक पेड़ माँ के नाम" केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति और मातृत्व दोनों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महाविद्यालय की छात्राएँ इस संदेश को अपने परिवार और समाज तक पहुँचाकर हरित एवं स्वच्छ भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।